BA Part I (H)
Paper I

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Raj Nagar

प्रत्यक्षवाद - (अगस्ट कॉम्ट) => प्रत्यक्षवाद को कॉम्ट ने पॉजिटिव फिलासफी तथा पॉजिटिव पोलिटी में स्पष्ट किया है।

कॉम्ट के अनुसार प्रत्यक्षवाद का अर्थ वैज्ञानिक है। कॉम्ट का मानना है कि समस्त ब्रह्मांड अपरिवर्तनीय प्राकृतिक नियमों द्वारा व्यवस्थित तथा निर्देशित होता है और यदि इन नियमों को हमें समझना है तो धार्मिक या तात्विक आधारों पर नहीं अपितु विज्ञान की विधियों द्वारा ही समझा जा सकता है। वैज्ञानिक विधियों में कल्पना का कोई स्थान नहीं, ये तो निरीक्षण, परीक्षण प्रयोग और वर्गीकरण की एक व्यवस्थित कार्य प्रणाली होती है। इस प्रकार निरीक्षण, परीक्षण, प्रयोग और वर्गीकरण पर आधारित वैज्ञानिक विधियों के द्वारा सबकुछ समझना और ऐसे ज्ञान प्राप्त करना ही प्रत्यक्षवाद है।

कॉम्ट के अनुसार अनुभव, निरीक्षण, प्रयोग तथा वर्गीकरण की व्यवस्थित कार्यप्रणाली द्वारा न केवल प्राकृतिक घटनाओं का अध्ययन सम्भव है बल्कि समाज का भी क्योंकि समाज भी प्रकृति का एक अंग है। जिस प्रकार

प्राकृतिक घटनाएं कुछ निश्चित नियमों पर आधारित होती है. उसी प्रकार प्रकृति के अंग के रूप में सामाजिक घटनाएं भी कुछ नियमों के अनुसार घटित होती है। जिस प्रकार पृथ्वी की गति तथा परिवर्तन, चाँद और सूरज का आवागमन, दिन और रात का होना आदि प्राकृतिक घटनाएं आकस्मिक नहीं है बल्कि कुछ सुनिश्चित नियमों द्वारा निर्देशित होती है उसी प्रकार मानवीय या सामाजिक घटनाएं भी आकस्मिक नहीं होती, वे भी कुछ सामाजिक नियमों के अन्तर्गत आती है। अतः सामाजिक घटनाएं जिस प्रकार घटित होती है या उनका क्रम व गति हो सकती है, इसका अध्ययन यथार्थ रूप से सम्भव है। यही प्रत्यक्षवाद का प्रथम आधारभूत सिद्धान्त है।

प्रत्यक्षवाद की दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह अपने को धार्मिक और तात्विक विचारों से दूर रखने का प्रयत्न करता है, इसकी अध्ययन प्रणाली वैज्ञानिक कही जा सकती। प्रत्यक्षवाद कल्पना या ईश्वरीय संदेश के आधार पर नहीं बल्कि निरीक्षण, परीक्षण, प्रयोग और वर्गीकरण की व्यवस्थित कार्य-प्रणाली के आधार पर सामाजिक घटनाओं की व्याख्या करता है।

कॉम्ट के अनुसार प्रत्यक्षवादी प्रणाली के अन्तर्गत सर्वप्रथम हम-

a) अध्ययन विषय को चुनते है।

b) अवलोकन या निरीक्षण द्वारा उस विषय से सम्बन्धित प्रत्यक्ष होने वाले समस्त तथ्यों को एकत्रित करते है

c) इसके बाद इन तथ्यों का विश्लेषण करके सामान्य विशेषताओं के आधार पर इनका वर्गीकरण करते है

d) इसके बाद उसी विषय से सम्बन्धित कोई भी निष्कर्ष निकालते है।

प्रत्यक्षवाद की मूल मान्यताएं अथवा विशेषताएं -

(1) सामाजिक घटनाएं निश्चित नियमों पर आधारित

(2) यथार्थ ज्ञान पर आधारित

(3) अध्ययन की एक वैज्ञानिक प्रणाली

(4) तार्किकता पर बल

(5) धर्म तथा विज्ञान का समन्वय

(6) सामाजिक पुनर्निर्माण का साधन

(7) ऐतिहासिक पद्धति पर आधारित